किसी भी बात को बड़ा बनाने के बजाय छोटा बनाकर फिनिश करें

ब्र.कु. शिवानी बहन, जीवन प्रबंधन विशेषज्ञा

बचपन में हमने सुना था कि जैसा कर्म करेंगे वैसा फल मिलेगा। हमारे कर्मों से हमारा भाग्य लिखा जाता है। हमारे पास एक विकल्प ये है कि भगवान भाग्य लिखता है और दूसरा विकल्प कहता है कि मेरे कर्म मेरा भाग्य लिखते हैं। सवाल है कि दोनों में से कौन-सा सही है? दरअसल होता क्या है कि हमने कहीं से सुना, पर उस पर चिंतन नहीं किया कि सृष्टि पर आजकल इतना कुछ हो रहा है तो भगवान हमारे साथ ऐसा क्यों करेंगे? जब भी हमारे जीवन में कोई संकल्प आता है, कोई बात आती है तो हम उसका इल्ज़ाम ऊपर वाले पर डाल देते हैं। अगर हमारे मन मुताबिक काम नहीं होता या अगर वो बात ठीक नहीं होती है तो हम उससे नाराज़ हो जाते हैं। जिस परिस्थिति में हमें भगवान की शक्ति की सबसे ज्यादा ज़रूर होती है, हम उनसे ही किनारा कर लेते हैं। और कहते हैं ऐसा भगवान हमें चाहिए ही नहीं। क्योंकि हमारे पास एक गलत बिलीफ सिस्टम था कि उसने ये भाग्य लिखा। ऊपर वाले को मैंने इतना बोला ठीक करने के लिए फिर भी उन्होंने हमारी बात नहीं मानी।

एक गलत मान्यता हमारे जीवन जीने का तरीका बदल देती है। आज से ये पक्का करते हैं कि मेरा भाग्य किसने लिखा, अगर मुझे अपने भाग्य में कुछ बदलना है तो मुझे किसके पास जाना है? जब हमें खुद के पास आना है तो परमात्मा का क्या रोल है। अगर मैं अपना भाग्य स्वयं ही लिखता हूँ या लिखती हूँ तो फिर इसमें परमात्मा की क्या भूमिका है? मेरा सवाल है कि आपका आपके बच्चों के भाग्य में क्या रोल है? आप अपने बच्चे को शिक्षा देते हैं कि ऐसा करो, ऐसा नहीं करो मतलब ज्ञान देते हैं। आप अपने बच्चों को शक्ति देते हैं, सहयोग देते हैं और कहते हैं मैं आपके साथ बैठा हूँ। आप अपने बच्चों को प्यार देते हैं लेकिन बच्चों का कर्म कौन करता है? जब वो कर्म करते हैं और उसका परिणाम मिलता है तो क्या आप उस कर्म के परिणाम को अपने बच्चे के जीवन में आने से रोक सकते हैं? नहीं रोक सकते हैं ना। तब भी आप बच्चे को परिणाम का सामना करने का ज्ञान देते हैं, राय देते हैं। उसका सामना करने की शक्ति देते हैं, प्यार देते हैं। लेकिन परिणाम का सामना तो उस बच्चे को ही करना है।

परमात्मा हमें हर कर्म करने का ज्ञान देते हैं। उस कर्म पर चलने की शक्ति देते हैं, हमें प्यार देते हैं लेकिन कर्म तो हमें ही करना है। इसमें दो ही चीज़ें जीवन में सबसे ज़्यादा महत्त्वपूर्ण हैं। और वो दो चीज़ें हैं हमारे कर्म और हमारे संस्कार।

बिल्कुल यही रिश्ता हमारा और परमात्मा का है। परमात्मा हमें हर कर्म करने का ज्ञान देते हैं। उस कर्म पर चलने की शक्ति देते हैं, हमें प्यार देते हैं लेकिन कर्म तो हमें ही करना है। इसमें दो ही चीज़ें जीवन में सबसे ज़्यादा महत्त्वपूर्ण हैं। और वो दो चीज़ें हैं हमारे कर्म और हमारे संस्कार। क्योंकि संस्कार से ही कर्म बनेगा। हमारे हर कर्म और संस्कार आत्मा में रिकॉर्ड होते जा रहे हैं। आत्मा शरीर छोड़ती है तो नया शरीर लेती है। उस बच्चे को फिर से नर्सरी में जाना पड़ता है। सिर्फ एक चीज़ है जो साथ जाएगी,वो है कर्म और संस्कार। वो आत्मा एक शरीर छोड़ेगी दूसरा शरीर लेगी। छोटा-सा बच्चा पैदा होता है। वो संस्कार अपने साथ लेकर आता है। जिस दिन वो बच्चा पैदा होता है जन्मपत्री भी उसी दिन बन जाती है। वो जन्म पत्री कर्म संस्कार के आधार पर बनती है। उसी क्षण, एक ही हॉस्पिटल में दो बच्चे पैदा होते हैं, ग्रह वही हैं, नक्षत्र भी वही हैं लेकिन दोनों का भाग्य अलग-अलग होता है।

आपमें से जिनके दो बच्चे हैं क्या आपको महसूस होता है कि दो बच्चों के संस्कार बहुत अलग-अलग हैं। कई बार तो जुड़वा बच्चे हैं, दिखने में भी एक समान हैं लेकिन संस्कार और भाग्य बिल्कुल अलग-अलग है। क्योंकि उनके वर्तमान में सबकुछ एक जैसा है। घर वही, परिवार भी वही, स्कूल भी वही, सबकुछ एकदम वही लेकिन उन दोनों का अतीत अलग-अलग है। वो अलग-अलग कर्म और संस्कार लेकर आए हैं। तो यही दो चीज़ें जो अविनाशी हैं। हमेशा हमारे साथ रहेंगी। एक और चीज़ हम पीछे छोड़कर आते हैं, वो सारी बातें जिनको हमने शरीर में रहते हुए बहुत बड़ा बना दिया था। एक सेकंड में वो सारी बातें पीछे छूट जाती हैं। अगर हमें ये याद रहे कि वो आत्मा में रिकॉर्ड हो रही है तो हम किसी भी बात को बड़ा बनाने की बजाय बड़ी बात को छोटा बनाकर फिनिश कर देंगे।

वाराणसी-उ.प्र.। दैनिक जागरण,वाराणसी द्वारा आयोजित विशेष कार्यक्रम 'विमर्श' के दौरान पूर्व मंत्री एवं विधायक सुरेंद्र सिंह पटेल को ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा हो रही व्यापक आध्यात्मिक और सामाजिक गतिविधियों की जानकारी देते हुए ब्र.कु. विपिन भाई, ब्र.कु. तापोशी बहन एवं ब्र.कु. अनीता बहन।

येवला-महा.। आत्मा मालिक इंग्लिश मीडियम स्कूल में 'व्यसन मुक्ति' विषय पर विद्यार्थियों को सम्बोधित करने के पश्चात् मंचासीन हैं ब्र.कु. संदीप भाई,ज्ञानसरोवर, ब्र.कु. कोमल भाई, माध्यमिक विद्यालय के प्रिंसिपल योगेश सोनवणे, सेमी इंग्लिश मीडियम के प्रिंसिपल राजेश पाटील, जूनियर कॉलेज के प्रिंसिपल राहुल नरोडे, ब्र.कु. नीता बहन तथा ब्र.कु. अनु बहन।

जबलपुर-विजयनगर(म.प्र.)। पी.डी. अंजुमन इस्लामिया गर्ल्स कॉलेज के द्वारा 'एक्ज़ाम फीयर से बचने के उपाय' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में मोटिवेशनल स्पीकर ब्र.कु. पूजा बहन ने मेमोरी मैनेजमेंट और टाइम मैनेजमेंट के टिप्स देते हुए विद्यार्थियों का मार्गदशन किया। कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ. शबाना अंजुम ने भी छात्राओं का मार्गदर्शन करते हुए अपनी शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर कॉलेज की प्राध्यापिकायें अपर्णा तिवारी, रेशमा शेख, सना अली, रशीदा तबस्सुम समेत बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित रहीं।

दिल्ली-पीतमपुरा। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा नशा मुक्ति अभियान के अंतर्गत विभिन्न स्कूलों सहित गवर्नमेंट गर्ल्स स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में ब्र.कु. पूजा बहन, ब्र.कु. उषा बहन, ब्र.कु. सुनीता बहन, स्कूल की प्रिंसिपल सविता जून, टीचर्स स्टाफ व स्टूडेंट्स शामिल रहे।

भादरा-राज.। नव वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित करते हुए ब्र.कु. चन्द्रकान्ता बहन, व्यापार मण्डल अध्यक्ष चम्पालाल जी, व्यवसायी रमेश अग्रवाल, ब्र.कु. भगवती बहन तथा अन्य।

वडोदरा-अटलादरा(गुज.)। गणतंत्र दिवस के अवसर पर ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेन्द्र पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने के पश्चात् सलामी देते हुए सेवाकेन्द्र संचालिका डॉ. ब्र.कु. अरुणा बहन तथा अन्य ब्र.कु. भाई-बहनें।

जबलपुर-कटंगा कॉलोनी(म.प्र.)। विश्व रेडियो दिवस पर आयोजित परिचर्चा 'रेडियो ज्ञान, जानकारी और शिक्षा की एक सदी' में अपने विचार व्यक्त करते हुए ब्र.कु. विमला दीदी। मंचासीन हैं आकाशवाणी जबलपुर के कार्यक्रम उप निदेशक दिनेश नामदेव, कार्यक्रम अधिकारी प्रमोद कार्तिकेय, उद्घोषक चमन सालावार, रेड एफ.एम. के आर.जे. रिकी जी तथा अन्य।

खजुराहो-म.प्र.। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा बसंत पंचमी के अवसर पर ग्राम राजगढ़ स्थित सवर्गेश्वर मंदिर में आयोजित 'आध्यात्मिक चित्र प्रदर्शनी एवं व्यसन मुक्ति प्रदर्शनी' के उद्घाटन में समाजवादी पार्टी की राष्ट्रीय उपाध्यक्षा रजनी यादव, चंद्रनगर बैंक मैनेजर, बमीठा पुलिस स्टाफ, आरडीएस स्कूल के प्रिंसिपल पुष्पेंद्र सिंह सहित समस्त टीचर्स स्टाफ, स्वर्गेश्वर समिति के अध्यक्ष राजेश खैरा, मंदिर के कार्यकर्ता व अन्य गणमान्य लोगों सहित ब्र.कु. विद्या बहन व अन्य ब्र.कु. भाई-बहनें शामिल रहे।

आबू रोड-गांधीनगर(राज.)। ब्रह्माकुमारीज़ सामुदायिक रेडियो मधुबन 107.8 एफ.एम. ने महिलाओं को जागरुक करने के लिए 'कहो, हिंसा को नो' वर्कशॉप का आयोजन किया। जिसमें रेडियो मधुबन के हिंसा को नो की प्रोजेक्ट प्रमुख ब्र.कु. कृष्णा बहन व टीम, निर्भया स्क्वाड सुलोचना जी। साथ ही नगर थाने के कॉन्स्टेबल संतोष जी, हिंसा को नो कार्यक्रम के अन्य सदस्य नीता व पवन भी उपस्थित रहे।

For Online Transfer

Name: OM SHANTI MEDIA OF RERF
Pay Directly to: osmorerf@indianbk

BANK NAME:- INDIAN BANK
BRANCH:- Shantivan, Talhati
ACCOUNT :- OM SHANTI MEDIA OF RERF
ACCOUNT NO:- 7552337300,
IFSC - CODE:- IDIB000S319
Note:- AfterTransfer send detail on
E-Mail - omshantimedia.acct@bkivv.org
E-Mail - omshantimedia@bkivv.org

ओमशान्ति मीडिया सदस्यता हेतु सम्पर्क करें
कार्यालय - ओमशान्ति मीडिया
संपादक - ब्र.कु. गंगाधर, ब्रह्माकुमारीज़,शान्तिवन,तलहटी,
पोस्ट बॉक्स न-5,आबू रोड, राज. 307510
सम्पर्क- M- 9414006096, 9414154344, 9414182088
Email-omshantimedia@bkivv.org
सदस्यता शुल्क : भारत - वार्षिक - 240 रुपये, तीन वर्ष - 720 रुपये, आजीवन - 6000 रुपये
Website: www.omshantimedia.org